



ओपरेशन के बाद की सूचनाएँ

१. कान में लगी हुई पट्टी ७ दिन तक लगाये रखनी है और वह गीली न हो उसका ध्यान रखें । सिर्फ सिर के नीचे के हिस्से तक स्नान कर नाहै ।
२. ओपरेशन के बाद ऊबके आना, थोड़ी उल्टी होना स्वाभाविक है । तीन दिन तक चक्कर आये तो न घबड़ाये । चक्कर न हों इस के लिये (STEMETIL)दवाई आपको लिख कर दी गई है ।
३. आंख के आसपास के हिस्से में सूजन आना, कान में लगी पट्टी के कारण है जिसे ढीला करवा ने पर सूजन दूर हो जायेगी ।
४. ६ सप्ताह तक वजनदार चीजें न उठाये, झटका लग् ऐसा काम न करें और तीन सप्ताह तक हवाई मुसाफरी न करें ।
५. जिस कान में ओपरेशन किया गया है उस करवट न सोये ।
६. पट्टी के अंदर ऊंगली डाल ने की कोशिश न करें ।
७. समझाये अनुसार दवाईयाँ नियमित रूप सेलें ।
८. जुकामग्रस्त व्यक्ति से दूर रहें और जिस से जुकाम होने की संभावना हो ऐसी चीजें न खाये ।
९. शर्दी हो तब नाक जोर से साफ न करें, ऐसा करने से नाक की शर्दी कान में असर करती है । ऐसी सावधानी जिन्दगी भर रखें ।
१०. कान के टांके निकवाने के लिये ता.._/_/__ने __. __ A.M. / P.M चन्द्रप्रभु क्लिनिक पर आये ।
११. कान के परदे को ठीक होने में ६ सप्ताह लगते हैं । इस दौरान कान में जेल फोम(GEL FOAM) नामक पदार्थ ड्रेसिंग के लिये रखाजाता है जिस पर मलहम लगा होता है, वह मलहम पिघलने से कान में रखी हुई रुई पीली या लाल हो तो घबड़ाने की बात नहीं है । कान में रखी हुई रुई पीली या लाल हो तो घबड़ाने की बात नहीं है । कान में रघी हुई रुई दिन में तीन बार बदलनी है ।
१२. छः सप्ताह के बाद डोक्टर के समझाये अनुसार कान में हवाभर ने की कसरत करनी है । डोक्टर की सलाह के बाद ही यह कसरत करनी है ।
१३. कान में रखा हुआ जेल फोम लाल या पीले रंग काहो जाय तो घबड़ाने की बात नहीं है । वह जेल फोम (GEL FOAM) या पिघला हुआ मलहम है ।
१४. आप को कान में डालने के बूँद दिये गये हों तो बूँद कान में डाल ने के बाद ओपरेशन वाले कान को ऊपर रखकर १० मिनट तक सोये रहें । उसके बाद कानमें रुई डाल लें । जेलफोम(GEL FOAM) पिघलने से या कान के बूँद से रुई लाल या पीली हो जाय तो घबड़ाये नहीं, वह पीप नहीं है ।
१५. कानकापरदासंपूर्ण रूप सेठीकहोनेकेबादसुननेमेंकम या ज्यादा लगे तो चिन्तानकरें ।
१६. कान का ओपरेशन कर ने के बाद बस में या रेलमें यात्रा कर सकते हैं । परंतु विमान में यात्रा करने से पहले अपने सर्जन की सलाह अवश्य लें ।
१७. कान के ओपरेशन के बाद एक वर्ष तक तैरना और गहरे पानी में जाना मना है ।
१८. तीन महिने तक कान में रुई लगाये रखना जरुरी है । उसके बाद नहाते समय कान में पानी न जाये इसके लिये कान में वेसेलीन युक्त रुईगाकर ही स्नान करें ।
१९. समझाये अनुसार जब भी आपको दुबारा चेक-अप के लिये बुलाया जाय तो आना जरुरी है । सामान्य रूप से ३ महिने तक नियमित रूप से फोलो-अप में आना पड़ता है ।
२०. कान में हवा भर ने की कसरत : नाक को जोर से बंद कर के गाल को फुलाये और हवा को नाक से बहार निकालने का प्रयत्न करें । शर्दी जुकाम हो तो यह कसरत न करें । इस कसरत को बहुत जोर से न करें । यह कसरत करते समय छेद में से हवा निकलती हो ऐसी आवाज नहीं आनी चाहिये । यह कसरत दिनमें १०-१५ बार करना आवश्यक है । यह कसरत छ महिने तक जारी रखें ।
२१. कान में बूँद डाल ने की पद्धति :
कान में दवाई की २-४ बूँद डालें, थोड़ी देर तक बूँद डाले हुए कान को ऊपर की ओर रखकर सोये रहें । पाँच मिनट बाद साफ रुई कान में डाल दें । कान में बूँद डाल ने के तुरंत बाद रुई लगा ने से दवाई रुई पर लग जायेगी और दवाई का असर नहीं होगा । इस प्रकार दिन में तीन बार बूँद डालें ।
२२. कान के परदे में छेद हो लेकिन पीप न आता हो तो कान में साफ रुई डाल कर रखें । सूखे कान में बूँद डालने से कान में बहरापन आने की संभावना रहती है ।।